डीएवीवी • 10 हजार वर्गफीट में होगा निर्माण, बिल्डिंग के लिए 5 करोड़ रुपए की ग्रांट मिलेगी

आईईटी में बनेगा इन्क्यूबेशन सेंटर; 3 लाख छात्रों को स्टार्टअप व बिजनेस आइडिया में मिलेगी मदद

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के खंडवा रोड स्थित आईईटी (इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस) परिसर में 10 हजार वर्गफीट जगह पर इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जगह फाइनल हो गई है। सेंटर की नई बिल्डिंग यहीं बनेगी। इन्क्यूबेशन सेंटर के लिए बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की नियुक्ति की कवायद भी शुरू हो गई है। हालांकि इसके लिए यूनिवर्सिटी एक कंपनी बना रही है। उसके गठन के साथ ही उसे केंद्र सरकार की तरफ से पांच करोड़ की ग्रांट मिलेगी। उसी राशि से नई बिल्डिंग बनाई जाएगी।

2018 में यूनिवर्सिटी को इन्क्यूबेशन सेंटर की अनुमति मिली थी, लेकिन पहले तकनीकी कारण और फिर 2020 में कोविड के कारण प्रोजेक्ट ठंडे बस्ते में चला गया था। अब प्रक्रिया फिर शुरू हो गई है। आईईटी के डायरेक्टर डॉ. संजीव टोकेकर के अनुसार सेंटर को लेकर काम शुरू कर दिया गया है।

विद्यार्थियों को मिलेंगे ये फायदे

सेंटर शुरू होने का फायदा यूटीडी (यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट्स) के 13 हजार छात्रों को तो मिलेगा ही, साथ ही डीएवीवी से संबद्धता प्राप्त 296 कॉलेजों के 3 लाख विद्यार्थियों को भी मिलेगा, क्योंकि अगर कोई भी छात्र पढ़ाई पूरी करने के बाद स्टार्टअप शुरू करना चाहता है या किसी भी युवा जिसके पास बेहतर बिजनेस आइडिया है, वह इन्क्यूबेशन सेंटर की मदद से आगे बढ़ सकेगा। कुलपति प्रो. रेणु जैन का कहना है कि प्रोजेक्ट इसलिए अहम है, क्योंकि स्टार्टअप को लेकर युवाओं में क्रेज बढ़ रहा है। ऐसे में नए और डिफरेंट बिजनेस आइडिया के साथ जो युवा स्टार्टअप शुरू करना चाहते हैं, उन्हें सेंटर पर पूरी मदद मिलेगी।

फंड दिलाएंगे, मेंटर बनेंगे

जो आइडिया बेस्ट होंगे, उन्हें सेंटर देश-दुनिया की टॉप कंपनियों तक पहुंचाएगा। साथ ही ऐसे बिजनेस आइडिया जो सक्सेस हो सकते हैं, उन्हें ये कंपनियां फंड भी उपलब्ध करवाएंगी। खास तौर पर उन युवाओं के लिए यह सेंटर बेहद कारगर होगा, जो कम पूंजी होने पर भी अच्छे बिजनेस आइडिया पर काम करना चाहते हैं। सेंटर की एक खासियत यह होगी कि जो युवा स्टार्टअप शुरू करना चाहते हैं, उनका आइडिया अप्रूवल होने पर सेंटर ही मेंटर बनकर मदद करेगा।